P: ISSN NO.: 2394-0344 RNI No.UPBIL/2016/67980 VOL-3* ISSUE-9*(Part-2) December- 2018
E: ISSN NO.: 2455-0817 *Remarking An Analisation*

जनपद रुद्रप्रयाग के ऊखीमठ विकासखण्ड के प्राथमिक विद्यालयों में सत्र 2013–2014 से 2017–2018 तक छात्र–छात्राओं के लिंगानुपात का अध्ययन

राकेश नेगी
शोधार्थी,
शिक्षा विभाग,
हिमगिरी जी विश्वविद्यालय
देहरादून, उत्तराखण्ड, भारत

चारु शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर,
शिक्षा विभाग,
हिमगिरी जी विश्वविद्यालय
देहरादून, उत्तराखण्ड, भारत

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र रुद्रप्रयाग जनपद के उखीमठ विकासखण्ड में छात्रों के लिंगानुपात के संदर्भ मे अध्ययन करने का एक प्रयास है। वर्ष 2011 के जनगणना के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य की औसत साक्षरता 78.82 प्रतिशत है, जो देश के औसत साक्षरता 73 प्रतिशत से 5.82 प्रतिशत अधिक है। 2001 की भारतीय जनगणना के अनुसार उत्तराखण्ड की साक्षरता दर 71.60 प्रतिशत थी, जिसमें 2011 में 7.20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

2001 जनगणना के अनुसार पुरुषों की साक्षरता 83.30 थी जो 2011 में 4.10 प्रतिशत वृद्धि के साथ 87.40 हुई तथा 2001 में महिला साक्षरता दर 59.60 थी जो 2011 में 10.4 प्रतिशत वृद्धि के साथ 70 प्रतिशत हुई।

2011 की जनगणना अनुसार अन्य जिलों की तुलना में सबसे अधिक पुरुष रुद्रप्रयाग जिले में साक्षर है। जिनका प्रतिशत 93.90 है। महिला साक्षरता के मामले में भी रुद्रपयाग जिला 70.35 प्रतिशत के साथ राज्य के औसत महिला साक्षरता 70 प्रतिशत से अधिक है। इन्हीं तथ्यों को दृष्टिगत् रखते हुए शोधार्थी द्वारा वर्ष 2013 से वर्ष 2017 तक जनपद रूद्रप्रयाग के उखीमठ विकास खंड में प्राथमिक शिक्षा में छात्रों के लिंगानुपात पर अध्ययन किया जिसमें पाया कि छात्रों के लिंगानुपात के मामले में उखीमठ विकासखण्ड की स्थिति संतोषजनक है ।

मुख्य शब्द : प्राथमिक विद्यालय, रुद्रप्रयाग, ऊखीमठ, जनसंख्या, लिंगानुपात।

प्रस्तावना

शिक्षा मानव के जीवन को विवकेशील तथा सुस्कृत बनाने में महत्वपर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा के माध्यम से बालक के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास किया जाता है। इसमें कहना कथापि अनुचित नहीं होगा कि बच्चे किसी भी राष्ट्र की सम्पत्ती होते हैं, क्योंकि इनके विकास पर ही परिवार, राष्ट्र तथा समाज का विकास निर्भर करता है। बालकों के शारीरिक तथा बौद्धिक विकास के लिए प्राथमिक शिक्षा की सबसे अहम् भूमिका होती है। इस शिक्षा के माध्यम से बालकों के दृष्टिकोणों, आदतों, सीखने के कौशलों तथा विभिन्न योग्यताओं, का समुचित विकास करके उनके व्यक्तित्व का विकास किया जाता है। इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है जिसे मध्यहान भोजन योजना, सर्व शिक्षा अभियान, शिक्षा का अधिकार प्रमुख हैं इस अधिकार के 1 अप्रैल 2010 को सम्पूर्ण देश में लागू होने से देश के 6 से 14 आयु वर्ग के सभी छात्रों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान भारतीय संविधान के अनु0 21अ में रखकर बालकों की कक्षा 1 से कक्षा 8 तक की प्रारम्भिक शिक्षा अनिवार्य रुप से देने का प्रावधान किया गया है जिससे समाज के सभी बालक–बालिकाओं को यह शिक्षा सर्वसुलभ हो सके। इसी क्रम में केन्द्र और राज्य सरकार की सहभागिता शैक्षिक कार्यक्रम के अलावा राज्य द्वारा प्राथमिक शिक्षा को उन्नत बनाने के लिए स्कूल चलो अभियान, शिक्षा आचार्य योजना, देवभूमि मुस्कान योजना, अंग्रेजी पाठ्यक्रम पर आधारित प्राथमिक आर्दश स्कूल, मिड–डे मील योजना, तेजस्वी छात्रवृत्ति योजना आदि को चलाई जा रही है। जिनका एकमात्र उद्देश्य है छात्रों को प्रारम्भिक शिक्षा प्रदान करना। वर्तमान में अन्य जिलों की तुलना में सबसे अधिक पुरुष रुद्रप्रयाग जिले में साक्षर है। जिनका प्रतिशत 93.90 है। महिला साक्षरता के मामले में भी रुद्रपयाग जिला 70.35 प्रतिशत के साथ राज्य के औसत महिला साक्षरता 70 प्रतिशत से अधिक है। इन्हीं तथ्यों को दृष्टिगत् रखते हुए शोधार्थी द्वारा यह अध्ययन प्रस्तुत है।

अध्ययन का महत्व

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में विकास के प्रयास किये, जिका परिणाम है भारत की सुदृढ़ आर्थिक व्यवस्था, उन्नत तकनीकी विकास, ज्ञान विज्ञान के क्षेत्रों में स्थापित कीर्तिमान एवं उत्तम शिक्षा व्यवस्था आदि, शिक्षा के क्षेत्र में भारत द्वारा प्राप्त की गयी वर्तमान स्थिति स्पष्टतः संकेत देती है कि भारत के पग शैक्षिक विकास की दिशा में सदैव निम्न स्थिति से उच्च स्थिति की ओर बढ़े हैं। अपने देश एवं राज्य ने प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास किया है, इसलिए शोधकर्ता ने गृह जनपद रूद्रप्रयाग के ऊखीमठ विकासखण्ड में प्राथमिक स्तर पर छात्रों के लिंगानुपात के संदर्भ में विगत कुछ वर्षों की स्थिति क्या है, को जानने के लिये यह अध्ययन सम्पादित किया गया।

अध्ययन के उद्देश्य

1. ऊखीमठ विकासखण्ड के प्राथमिक विद्यालयों के अनुसूचित जाति के छात्र–छात्राओं के लिंगानुपात का अध्ययन करना।
2. ऊखीमठ विकासखण्ड के प्राथमिक विद्यालयों के सामान्य वर्ग के छात्र–छात्राओं के लिंगानुपात का अध्ययन करना।

अध्ययन की अवधारणायें

1. ऊखीमठ विकासखण्ड के प्राथमिक विद्यालयों में अनुसूचित जाति के छात्र–छात्राओं के लिंगानुपात की स्थिति सामान्य है।
2. ऊखीमठ विकासखण्ड के प्राथमिक विद्यालयों के प्राथमिक विद्यालयों में सामान्य वर्ग के छात्र–छात्राओं के लिंगानुपात की स्थिति सामान्य है।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन सर्वेक्षण विधि से पूर्ण किया गया है।

समष्टि

प्रस्तुत अध्ययन में समष्टि के अन्तर्गत रुद्रप्रयाग जनपद के ऊखीमठ विकास खंड के अन्तर्गत समस्त प्राथमिक विद्यालयों से है जिसकी संख्या 115 है।

न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श का चयन साधारण यादृच्छिक विधि से किया गया है। इसके अन्तर्गत ऊखीमठ विकास खण्ड के 30 राजकीय प्राथमिक विद्याालयों का चयन किया गया है।

शोध उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में उपकरण के रुप में स्वनिर्मित आंकड़ा संग्रह प्रपत्र का प्रयोग किया गया है।

प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत अध्ययन में सांख्यिकी के अन्तर्गत प्रतिशत का प्रयोग किया गया है।

परिणाम एवं व्याख्या

तलिका संख्या–1

अनुसूचित जाति के छात्र–छात्राओं का वर्षवार लिंगानुपात

सत्र	बालक	बालिका	लिंगानुपात
2013-14	99	126	11:14
2014-15	105	123	35:41
2015-16	101	112	101:112
2016-17	101	124	101:124
2017-18	100	114	50:57
कुल	506	599	506:599

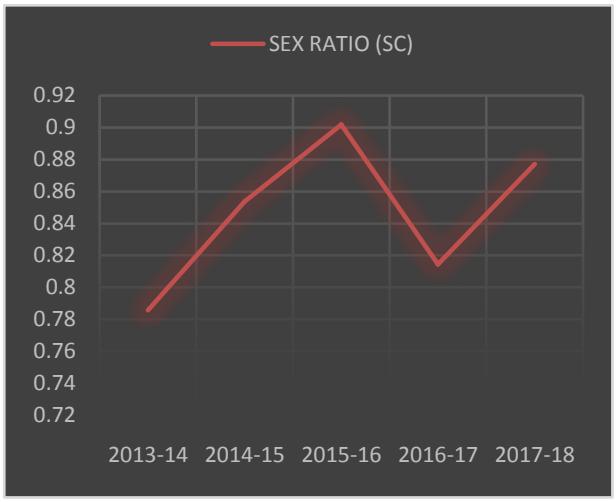

उपरोक्त तालिका व्यक्त करती है कि उखीमठ ब्लाक के प्राथमिक विद्यालयों के अनुसूचित जाति के छात्र–छात्राओं का उत्कृष्ठ लिंगानुपात है। सत्र 2013–14 में लिंगानुपात 11:14 है, लिंगानुपात सत्र 2014–15, 2015–16, 2016–17, 2017–18 में क्रमशः 35:41, 101:112, 101:124, 50:57 है। सत्र 2013–14 से सत्र 2017–18 तक का औसत लिंगानुपात 506:599 है। हर सत्र में बालकों की संख्या बालिकाओं की संख्या से कम है

उखीमठ विकासखण्ड के प्राथमिक विद्यालयों के सामान्य वर्ग के छात्र–छात्राओं के लिंगानुपात का अध्ययन करना

तालिका संख्या–2

सामान्य जाति के छात्र–छात्राओं का वर्षवार लिंगानुपात

सत्र	बालक	बालिका	लिंगानुपात
2013-14	245	271	245:271
2014-15	218	261	218:261
2015-16	212	236	53:59
2016-17	209	229	209:229
2017-18	209	222	209:222
कुल	**1093**	**1219**	**1093:1219**

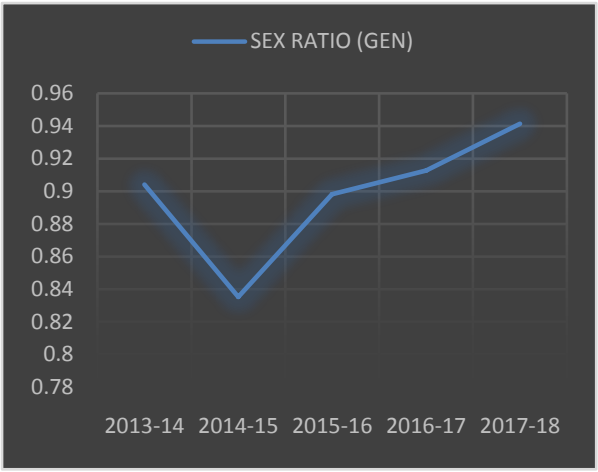

उपरोक्त तालिका व्यक्त करती है कि ऊखीमठ ब्लाक के प्राथमिक विद्यालयों के समान्य जाति के छात्र–छात्राओं का लिंगानुपात उत्कृष्ठ है। सत्र 2013–14 में लिंगानुपात 245:271 है, लिंगानुपात सत्र 2014–15, 2015–16, 2016–2017, 2017–18 में क्रमशः 218:261, 53:59, 209:229, 209:222 है। सत्र 2013–14 से सत्र 2017–18 तक का औसत लिंगानुपात 1093:1219 है। हर सत्र में बालिकाओं की संख्या बालकों की संख्या से अधिक है।

निष्कर्ष

1. सत्र 2013–14, 2014–15, 2015–16, 2016–17, 2017–18 में अनुसूचित जाति के छात्रों का लिंगानुपात क्रमशः 11:14, 35:41, 101:112, 101:124, 50:57 है।
2. सत्र 2013–14, 2014–15, 2015–16, 2016–17, 2017–18 में अनुसूचित जाति के छात्रों का लिंगानुपात उत्कृष्ठ है।
3. सत्र 2013–14, 2014–15, 2015–16, 2016–17, 2017–18 में अनुसूचित जाति के छात्रों का औसत लिंगानुपात 506:599 है।
4. सत्र 2013–14, 2014–15, 2015–16, 2016–17, 2017–18 में अनुसूचित जाति की बालिकाओं की संख्या बालकों से अधिक है।
5. सत्र 2013–14, 2014–15, 2015–16, 2016–17, 2017–18 में सामान्य जाति के छात्रों का लिंगानुपात क्रमशः 245:271, 218:261, 53:59, 209:229, 209:222 है।
6. सत्र 2013–14, 2014–15, 2015–16, 2016–17, 2017–18 में सामान्य जाति के छात्रों का लिंगानुपात उत्कृष्ठ है।
7. सत्र 2013–14, 2014–15, 2015–16, 2016–17, 2017–18 में सामान्य जाति के छात्रों का औसत लिंगानुपात 1093:1219 है।
8. सत्र 2013–14, 2014–15, 2015–16, 2016–17, 2017–18 में सामान्य जाति की बालिकाओं की संख्या बालकों से अधिक है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

उपाध्याय, संध्या (दिस0 2007): देवरिया जनपद के प्राथमिक विद्यालयों की शैक्षिक प्रगति का समीक्षात्मक अध्ययन. New Dimensions In Education Research Council of Behavioural Science Researchers Jaunpur Volume- VI.

शर्मा, आर0ए0 (2012): शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया, मेरठ, आर0 लाल बुक डिपो.

Kumar, Anup and Raj, Anuj(May 2015): A Study of the Development of Primary Education in Dehradun district (Uttrakhand) from 2000 to 2011. International Journal of Research in Economics and social science, Vol 5/5.

त्रिपाठी, केसरी नन्दन एवं कुमार, आलोक (अगस्त 2016–17): उत्तराखण्ड एक समग्र अध्ययन, इलाहाबाद, बौद्धिक प्रकाशन.

www.censusindia.gov.in

www.dise.in